पिलानी स्थित सीरी प्रयोगशाला में आग, दो वैज्ञानिक झुलसे, करोड़ों के नुकसान की आशंका

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पिलानी. कस्बे में स्थित केन्द्रीय वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान संस्थान (सीरी)में मंगलवार को एक प्रयोगशाला में केमिकल से आग लगने से प्रयोगशाला जल कर नष्ट हो गई। दुर्घटना में प्रयोगशाला में काम कर रहे दो युवा वैज्ञानिक भी झुलस गए।

जानकारी के अनुसार संस्थान में मैमस प्रयोगशाला है। प्रयोगशाला में रखे गए केमिकल की प्रतिदिन सफाई की जाती है। मंगलवार को करीब साढे बारह बजे आग लग गई। प्रयोगशाला में काम कर रहे दो वैज्ञानिकों ने आग बुझाने का प्रयास किया। मगर सफलता नहीं मिली। संस्थान के लोग कुछ कर पाते इससे पहले ही आग ज्यादा लग गई। देखते ही देखते आग प्रयोगशाला की दूसरी मंजली में भी पहुंच गई। बाद में सूचना पर पहुंची पिलानी व चिड़ावा की फायर टीमों, पिलानी पुलिस टीम तथा संस्थान के वैज्ञानिकों ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर करीब दो घंटे बाद आग पर काबू पाया।

पिलानी. सीरी संस्थान में लगी आग को बुझाने का प्रयास करते हुए।

दुर्घटना में प्रयोगशाला पूर्ण रूप से नष्ट हो गई। प्रयोगशाला में काम कर रहे वैज्ञानिक रंजन मौर्य व प्रशिक्षु वैज्ञानिक गौरव झुलस हो गए। गौरव को जयपुर रैफर किया गया है। प्रयोगशाला में विदेशों से आयात महंगे उपकरण थे। प्रथम दृष्टया पचास से साठ कारोड़ रुपए के नुकसान का अनुमान है। दुर्घटना के बाद संस्थान निदेशक डा. जमील अख्तर ने बताया कि आग के कारणों की जानकारी तथा नुकसान का आंकलन करने के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम गठित की जाएगी। आग लगने का कारण फिलहाल केमिकल बताया जा रहा है। हालांकि सही कारणों का पता जांच के बाद ही चलेगा।

पिलानी. सीरी संस्थान में लगी आग को बुझाने का प्रयास करते हुए।

केमिकल के भण्डार

सीरी संस्थान की जिस प्रयोगशाला में मंगलवार को आग लगी। उसके नजदीक ही कई अन्य प्रयोगशाला एवं केमिकल के भण्डार हैं। प्रयोगशालाओं में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक के उपकरण लगे हैं। मंगलवार को लगी आग प्लास्टिक उपकरणों के चलते ही दूसरी मंजली में पहुंची थी। आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो प्रभावित प्रयोगशाला से सटी हुई कई अन्य प्रयोगशालाएं भी इसकी चपेट में आ सकती थी।

सीरी में होते हैं वैज्ञानिक अनुसंधान

सीरी केंद्र सरकार की प्रयोगशाला है। यह देश की अग्रणीय संस्था है। सीरी में वैज्ञानिक रक्षा अनुसंधान, दवाओ के बारे में तथा मानव उपयोगी अनुसंधान करते हैं।